भाषा का संस्कार मनुष्य को मनुष्य बनाती है- कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

हिंदी विश्वविद्यालय में 12वां भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मेलन का उद्घाटन

वर्धा, 28 जनवरी 2018; भाषा हमारे जीवन की महत्त्वपूर्ण संपदा है। भाषा की मौजूदगी से दुनिया बदलती है। भाषा

संस्कृति का एक खाता (Account) है। भाषा व्यक्तिगत रूप से आपको ऊँचाई देती हैं। भाषा का संस्कार मनुष्य को

मनुष्य बनाती है। उक्त उद्बोधन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किए। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी

विश्वविद्यालय, वर्धा के भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 12वें भारतीय भाषाविज्ञान विद्यार्थी सम्मेलन (SCONLI-12) के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनिल दुबे ने स्वागत वक्तव्य में कहा कि इस आयोजन से हमारी समझ अधिक समृद्ध होगी। SCONLI का परिचय देते हुए विभाग के प्रोफेसर वृषभ प्रसाद जैन ने भाषा के अध्ययन को अत्यंत जरूरी बताया क्योंकि भाषा हमें एक पहचान देती है। साथ ही भारतीय भाषाओं के सम्यक् अध्ययन करने पर भी बल दिया। विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने कहा कि भाषाविज्ञान की जो यात्रा कई वर्ष पूर्व शब्दों के साथ आरंभ हुई थी, उसका तकनीकी पक्ष विकसित रूप में आप सभी के समक्ष है। भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अकादमिक सचिव डॉ. तारिक खान ने आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शोधार्थियों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि भारत में भाषाविज्ञान पर आयोजित होने वाले महत्त्वपूर्ण सम्मेलनों में से SCONLI एक महत्त्वपूर्ण सम्मेलन है। साथ ही उन्होंने बताया कि भारतीय भाषा संस्थान में करीब 23 भारतीय भाषाओं पर अध्ययन सामग्री एवं आकड़ें उपलब्ध हैं तथा विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं SPELL, NTS, NTM आदि से परिचित कराया। सुप्रसिद्ध भाषाविद् तथा विभाग के पूर्व प्रोफेसर उमाशंकर उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह आयोजन छात्रों के लिए छात्रों द्वारा है। अतः मैं स्वयं भी आज एक छात्र के रूप में ही आप सभी के समक्ष उपस्थित हूँ। उन्होंने अपने 50 वर्षों के भाषाविज्ञान के साथ जुड़े अनेक अनुभवों को शोधार्थियों के साथ साझा किया। धन्यवाद ज्ञापन सूचना एवं अभियांत्रिकी केंद्र की असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. हर्षलता पेटकर ने किया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो.अनिल कुमार राय अंकित, मानविकी एवं समाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो.मनोज कुमार, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग के प्रो.कृष्ण कुमार सिंह, प्रो. अखिलेश दुबे, कोलकाता केंद्र के प्रभारी प्रो.कृपाशंकर चौबे, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठके असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, भ.आ.कौ.बौद्ध अध्ययन केंद्र के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. सुरजीत सिंह, समाज कार्य अध्ययन

केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. मिथिलेश कुमार, डॉ. शिवसिंह बघेल, सहायक संपादक डॉ. अमित विश्वास तथा बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद मौजूद रहे।